Formula for Power Allocation to Rajasthan

895. SHRI ONKAR SINGH LAKHAWAT: Will the Minister of POWER be pleased to state:

(a) whether the Rajasthan Government has requested the Central Government to review the formula for allocation of power from the Central power stations, based on projected shortage of power; and

(b) if so, by when Government are likely to review the prevailing formula for allocation of power from Central Sector power stations to ensure additional power to the State which is facing power shortage?

THE MINISTER OF POWER, MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES (SHRI P. R. KUMARAMANGALAM): (a) and (b) Yes, Sir. The formula for sharing of power from central sector thermal power stations and nuclear power stations was evolved in 1978 and the same is being generally followed. The formula of sharing of power from central sector hydro electric power stations was evolved in 1981 and modified in 1990 and the formula revised in 1990 is being followed. The formula of allocation of power from central sector power stations is working satisfactorily and there is no proposal to revise the same at present.

टिहरी बांध के लक्ष्यों तक पहुंचने में कम्पनियों का विफल रहना

896. **श्री मनोहर कान्त ध्यानी:** क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने टिहरी बांध को हर हालत में सन् 2002 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा है;

(ख) यदि हां, तो मुख्य बांध और पावर हाउस के संबंध में वर्ष 1998-99 के लिए क्या लक्ष्य रखे गए थे और क्या निर्माण कार्य करने वाली कम्पनियों ने इन लक्ष्यों को प्राप्त किया है; यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं तो उसके क्या कारण हैं; और

(ग) क्या इसके लिए उक्त कम्पनियों को दोषी पाया गया है, यदि हां, तो उनके खिलाफ क्या कार्यवाही की गई है?

विद्युत मंत्री, संसदीय कार्य मंत्री और गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्रोत मंत्री (श्री पी० आर० कुमारमंगलम्): (क) जी, हां। टिहरी जल विद्युत परियोजना चरण-I (1000 मे०वा०) को वर्ष 2002 तक पूरा करने का कार्यक्रम है।

(2) वर्ष 1998-99 (जनवरी, 1999 तक) के दौरान परियोजना के मुख्य बांध और विद्युत गृह के निर्माण के लिए निर्धारित लक्ष्यों को निर्माण कंपनियों द्वारा प्राप्त कर लिया गया है।

(ग) जी, नहीं।

नई टिहरी में प्लाटों का आवंटन

897. **श्री मनोहर कान्त ध्यानी:** क्या विद्युत मंत्री 8 दिसम्बर, 1998 को राज्य सभा में तारांकित प्रश्न 131 के दिए गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या टिहरी शहर के डूब क्षेत्र में आने वाले सभी 2438 पात्र परिवारों को नई टिहरी में प्लाट आवंटित कर दिए गए हैं, यदि नहीं तो कितने परिवार शेष रह गए हैं और उन्हें कब तक प्लाट आवंटित कर दिए जाएंगे;

(ख) छाम, जो सड़क पर बसा हुआ एक बाजार है, जैसे उन ग्रामीण क्षेत्रों के लिए क्या मानक तय किए गए हैं जो पूरी तरह डूब क्षेत्र के अन्तर्गत आते हैं;

(ग) इन लोगों को पुनर्वास की सुविधाएं कब तक और कहां प्रदान की जाएंगी; और

(घ) ऐसे डूब क्षेत्र में आने वाले ग्रामीण परिवारों की कुल संख्या कितनी है?

विद्युत मंत्री, संसदीय कार्य मंत्री और अपारम्परिक ऊर्जा स्रोत मंत्री (श्री पी० आर० कुमारमंगलम्): (क) पत्र 2438 शहरी आवासीय भूमिस्वामियों में से 2400 आवासीय भूखण्ड का आवंटन किया जा चुका है। बचे हुए भूखण्ड को विकसित किया गया है और वे आवंटन हेतु तैयार हैं।